Zwischenprüfung (Nachprüfung) im Hauptfach am 26.1.2010
Sprachen und Kulturen des neuzeitlichen Südasiens
120 Minuten

1. Übersetzen Sie den folgenden Text, entnommen dem Anfang der प्रस्तावना des Werkes मैथिली लोक-साहित्य का अध्ययन von ताराकान्त मिश्र (पटना/दिल्ली: जानकी प्रकाशन १९८५). Sie können ein hindi-deutsches oder ein hindi-englisches und englisch-deutsches Wörterbuch verwenden. **95**

भारतीय संस्कृति संश्लेषणात्मक है जिसमें अनेक क्षेत्रीय संस्कृतियों का सन्निवेश है। अगर समस्त भारतीय संस्कृति एक विशाल वाटिका है तो यहाँ की क्षेत्रीय संस्कृतियाँ उसके सुन्दर एवं सौरभयुक्त सुमन। यद्यपि वे परस्पर भिन्न हैं, परन्तु उनकी बाह्य भिन्नता के बीच वर्तमान आन्तरिक एकता में ही वाटिका का अस्तित्व सन्निहित है। अत: समग्र भारतीय संस्कृति के रूप से सुपरिचित होने के लिए यहाँ की विभिन्न आंचलिक संस्कृतियों का परिज्ञान अपेक्षित और अनिवार्य है। इनका जैसा प्रकृत तथा अविकल रूप लोक-साहित्य में उपलब्ध होता है वैसा अन्यत्र दुर्लभ है। लोक-साहित्य यथार्थत: एक विराट् वृक्ष के सदृश है, जिसके वृन्तों पर मानव-जीवन एवं संस्कृति की लतिकाएँ फूलती-फलती हैं। यही हेतु है कि विश्व के अनेक देशों के समान आज भारत में भी प्राय: सभी क्षेत्रीय लोक-साहित्यों के संकलन, प्रकाशन, अध्ययन, एवं अनुशीलन की ओर विद्वानों का ध्यान आकृष्ट हुआ है।

Übersetzungshilfen: संश्लेषणात्मक = संश्लेषण + आत्मक, क्षेत्रीय = regional, यथार्थत: = im wahren Sinne; in der Tat, tatsächlich.

2. Wenn gesagt wird, daß [भारतीय संस्कृति का] प्रकृत तथा अविकल रूप लोक-साहित्य में उपलब्ध होता है, dann ist in dieser Aussage hintergründig auch eine Aussage zu den "wahren" Trägern der Kultur enthalten. Wer sind wohl diese Träger? **5**